अब श्वानों में भी हृदय रोगों की जांच संस्कारधानी में संभव

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के सर्जरी एवं रेडियोलॉजी विभाग में आज प्रतिभागियों को श्वानों में हृदय रोगों की जांच हेतु इकोकार्डियोग्राफी विधि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अब श्वानों में भी हृदय रोगः– सर्जरी विभाग की प्रमुख डॉ. अपरा शाही ने बताया कि हृदय रोगों की बीमारी लगभग तीन प्रतिशत श्वानों में पाई जाती है। यदि समय पर निदान एवं इलाज किया जाये ता श्वानों का जीवन बचाया जा सकता है

पॉच दिवसीय प्रशिक्षण के चौथे दिन प्रतिभागियों को इंडोस्कोपी एवं गेस्ट्रोस्कोपी डॉ. शोभा जावरे एवं कन्ट्रास्ट रेडियोग्राफी का प्रशिक्षण डॉ. रणधीर सिंह द्वारा प्रदान किया गया। सहायक उपकरणों के बारे में डॉ. बबीता दास एवं डॉ. प्रियंका पांडे ने जानकारी दी।

वि. वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयोग दत्त जुयाल ने बताया कि श्वानों में हृदय रोग के अनेक करण है जिसमें व्यायाम की कमी एवं अधिक नमक का सेवन भी शामि है। उन्होंने बताया कि अभी तक श्वानों में हृदय रोगों की जांच लुधियाना एवं चैन्नई में होती थी। वि.वि. के लिए यह गौरव की बात है कि यह सुविधा हमारे यहॉ उपलब्ध है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर